एक मिनट में 120 गोले दागने वाली तोप बननी शुरू

सफलता

■ सुहेल खान

कानपुर। एक मिनट में 120 गोले दागने वाली सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) तोप का स्वदेशी उत्पादन कानपुर की फील्ड गन फैक्टरी में शुरू हो गया है। नौसेना के समुद्री बेड़े पर मंडराने वाले किसी भी खतरे को तेजी से नष्ट करने में यह बेहद सक्षम हथियार है।

अभी तक एसआरजीएम इटली से आयात होती थी। कुछ माह पहले केरल के कोच्चि में इस स्वदेशी एसआरजीएम का सफल फायरिंग टेस्ट हुआ था। यह युद्ध पोतों पर तैनात होने वाली एंटी मिसाइल और एंटी एयरक्राफ्ट तोप है। इसकी मारक क्षमता सटीक है।

कानपुर की फील्ड गन फैक्टरी में तैयार की जा रही तोप

खासियतें

76 एमएम कैलिबर

16 किमी मारक क्षमता

4588 एमएम बैरल की लंबाई

एक सेकेंड में दो गोले

एसआरजीएम तोप एक सेकेंड में दो गोले दागती है। यह इटली की तोप का अपग्रेडेड वर्जन है। इसकी बैरल 76 एमएम की है और इसमें अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह एक मिनट में 120 गोले दागती है। यह एक बड़ी सफलता है।

> आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत इटली की इस तोप को पूरी तरह से स्वदेशीकरण कर दिया गया है। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े की हिफाजत में बेहद अहम हथियार साबित होगी। – एहतेशाम अख्तर, महाप्रबंधक, फील्ड गन फैक्टरी, कानपुर

युद्धपोतों में लगेगी

इस तोप की अधिकतम प्रभावी मारक क्षमता 16 किमी तक है। यह तोप छह से सात किलोमीटर की रेंज में अधिक मारक है। दुश्मन के किसी भी एयरक्राफ्ट, मिसाइल और ड्रोन को सेकेंडों में नष्ट कर सकती है। अभी तक की जानकारी के मुताबिक, इसका इस्तेमाल नौसेना अपने नए बनने वाले शिप और युद्ध पोतों में करेगी।

पहली स्वदेशी तोप

76/62 एमएम कैलीबर क्षमता वाली यह भारत की पहली स्वदेशी तोप है। इस बैरल क्षमता की एसआरजीएम तोप अभी तक इटली से आयातित होती थी। इसे ओटीओ मेलारा 76 एमएम के नाम से जाना जाता है। रक्षा विशेषज्ञों ने इस पर लंबी रिसर्च करने के बाद इसका स्वदेशीकरण किया है।